12
ربیع الاول
1436ھ

फिर्कावारियत से बचकर “दीन इस्लाम” पर चलने वालों के लिए

04
January
2015

بسم الله الرحمن الرحيم والصلوة والسلام على رسول الله و على ازواجه و اله واصحابه اجمعين الى يوم الدين

जादू टोंने, वबाई अमराज़ और क़ुदरती हाद्सात से बचाव के लिए सहीह सुन्नत वजाईफ़

मुर्शिदी कामिल, इमाम उल अंबियां ﷺ की सहीह अहादीस के नम्बर्स उलेमाएं हरमैन और बैरुत के जारी शुदा इंटरनेशनल नंबरिंग के मुताबिक है.

---

1 आयातुल कुर्सी पढ़ने वाला शैतान और जिन्नात से महफ़ूज़ हो जाता है और अल्लाह उसकी हिफाज़त के लिये एक मुहाफ़िज़ मुक़र्रर फरमा देता है.

اَللّٰهُ لَآ اِلٰهَ اِلَّا هُوَ ۚ اَلْحَیُّ الْقَیُّوْمُ.......................وَهُوَ الْعَلِیُّ الْعَظِیْمُ ○

1 मर्तबा सुबह और शाम

[بُخاری : 2311 ، السُنن الکُبریٰ لِلنسائی : 8017 ، المُستدرك لِلحاکم : 2064]

2 मुअव्विज़ात की तिलावत हर शै से काफी हो जाती है, ये 3 तीन सूरतें शैतान, जिन्नात और जादू के खिलाफ अल्लाह की पनाह में आने का ज़रिया है.

❶ قُلْ هُوَ اللّٰهُ اَحَدٌ ○... ❷ قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ الْفَلَقِ ○... ❸ قُلْ اَعُوْذُ بِرَبِّ النَّاسِ ○...

तीनों 3 मर्तबा सुबह और शाम

[جامع ترمذی : 3575 ، سُنن ابی داؤد : 5082 ، سُنن نسائی : 5429]

3 इन क़लिमात का सवाब 4 गुलाम आज़ाद करने के बराबर है और अल्लाह तमाम दिन और रात में हर ख़तरनाक चीज़ और शैतान से बचाव फरमा देता है.

لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ وَحْدَهٗ لَا شَرِیْكَ لَهٗ ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ وَهُوَ عَلٰی كُلِّ شَیْءٍ قَدِیْرٌ

तर्जुमा: अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला हैं, उसका कोई शरीक़ नहीं, उसी के लिए तमाम बादशाहत है और उसी के लिए ही तमाम तारीफ़ है, और वह हर शै पर मुक़म्मल क़ुदरत रखता है.

10 मर्तबा सुबह और शाम

[مُسلم : 6844 ، سُنن ابی داؤد : 5077 ، سُنن ابن ماجه : 3867]

(اِنشاء اللّٰه ﷻ)

4 ये दुआ पढ़ने वाले को न तो कोई शै नुक्सान पहुँचा सकती है, और न ही कोई नागहानी आफ़त और मुसिबत ही उसे पहुचेगी .

بِسْمِ اللّٰهِ الَّذِیْ لَا یَضُرُّ مَعَ اسْمِهٖ شَیْءٌ فِی الْاَرْضِ وَلَا فِی السَّمَآءِ وَهُوَ السَّمِیْعُ الْعَلِیْمُ

तर्जुमा: अल्लाह के नाम के साथ, जिसके नाम (की बरकत) से ज़मीन व आसमान में कोई चीज़ नुक्सान नहीं पंहुचा सकती, और वही सुनने वाला जानने वाला है.

3 मर्तबा सुबह और शाम

[جامع ترمذی : 3388 ، سُنن ابی داؤد : 5088 ، سُنن ابن ماجه : 3869]

(اِنشاء اللّٰه ﷻ)

5 ये दुआ पढ़ने वाले को ज़हरीले जानवर (मस्लन बिच्छु, साँप, कीड़ो और मच्छर वगैरह) का डंक नुक्सान नहीं पंहुचा सकेगा.

اَعُوْذُ بِكَلِمَاتِ اللّٰهِ التَّآمَّاتِ مِنْ شَرِّ مَا خَلَقَ

[مُسلم : 6880 ، مُسندِ احمد : 7885 ، 290/2]

3 मर्तबा सुबह और शाम

तर्जुमा: मैं अल्लाह के कलिमाती कामीलह के साथ (اللّٰه ﷻ की) पनाह पकड़ता हूँ हर उसी चीज़ के शर से जो उसने पैदा की.

नोट अल्लाह ﷻ की **“हम्द”** और उसके महबूब ﷺ पर **“दरुद शरीफ़”** पढ़ना, हमारी दुआओं की क़ुबुलियत का बेहतरीन ज़रिया है

[جامع ترمذی : 593]

الداعی الی الخیر: **نوجوانانِ اہلِسُنت اسلام آباد (پاکستان) www.AhleSunnatPak.com**